विश्व हिन्दी सम्मेलन

9th

प्रनीत कौर
PRENEET KAUR

सत्यमेव जयते

विदेश राज्य मंत्री
भारत सरकार
Minister of State for External Affairs
Government of India

संदेश

भाषा मनुष्य की अनुभूति एवं विचारों की अभिव्यक्ति का एकमात्र माध्यम है। अभिव्यक्ति चाहे मौखिक हो अथवा लिखित, उसका माध्यम केवल एक है और वह है भाषा। प्राचीन काल में विश्व में विभिन्न सभ्यताओं के विकास के साथ ही विभिन्न बोलियों ने जन्म लिया। इन बोलियों ने धीरे-धीरे परिष्कृत होकर भाषा का रूप धारण किया और यह मानव जीवन का अभिन्न अंग बन गई। अलग-अलग देशों में अलग-अलग संस्कृतियों और भाषाओं का विकास हुआ।

भाषा की दृष्टि से हमारा देश भारत एक अत्यन्त समृद्ध देश है जहां अनेक भाषाएं और बोलियां हैं जो समान रूप से संपन्न हैं। भारत जैसे एक बहुभाषी देश में एक सम्पर्क भाषा की जरूरत महसूस की गई और यह दर्जा हिंदी को दिया गया। संविधान में इसे राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई।

आज हम देखते हैं कि हिन्दी एक साहित्यिक भाषा तक ही सीमित न रह कर ज्ञान-विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी की भाषा के रूप में भी आगे बढ़ रही है। भाषा के विभिन्न पहलुओं से स्वयं को परिचित कराने और उसकी प्रगति की समीक्षा करने के लिए विश्व हिन्दी सम्मेलन एक उपयुक्त मंच प्रदान करते हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि 9वां विश्व हिन्दी सम्मेलन 22-24 सितम्बर, 2012 को जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

प्रनीत कौर